‘चुप्पी तोड़ो-सयानी बनो’ अभियान

चर्चा में क्यों?

16 मई, 2022 को जयपुर ज़िला कलेक्टर राजन विशाल ने राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय गणगौरी बाज़ार में ‘चुप्पी तोड़ो-सयानी बनो’ अभियान के द्वितीय चरण की शुरुआत की।

प्रमुख बिंदु

- ज़िला कलेक्टर ने बताया कि नागौर और अलवर ज़िले के बाद जयपुर में इस अभियान की शुरुआत की गई है।
- ‘चुप्पी तोड़ो-सयानी बनो’ अभियान के तहत ज़िले के 929 विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग एक लाख 30 हज़ार किशोरी बालिकाओं द्वारा भाग लिया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षित अध्यापिकाओं द्वारा माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई।
- कार्यशाला में राज्य सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत बालिकाओं को सैनेटरी नैपकीन नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। अभियान के तहत कार्यशाला में प्रत्येक छात्रा को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर बुकलेट व प्रत्येक राजकीय विद्यालय में ‘गुड टच बैड टच’ विषय पर पोस्टर एवं बैनर उपलब्ध करवाए गए।
- ज़िले में कक्षा 9 से 12वीं तक चयनित 3 हज़ार 716 बालिकाओं को हाईजीन एंबेसडर नियुक्त किया गया है। ये बालिकाएँ विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ ही अभिभावकों, जन-प्रतिनिधि, आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, एएनएम, साथिन, आशा सहयोगिनी एवं विद्यालय नहीं जाने वाली बालिकाओं को भी जागरूक करेंगी।
- उल्लेखनीय है कि अभियान के द्वितीय चरण से पहले जयपुर ज़िले के प्रत्येक उपखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यशाला, प्रशिक्षण, जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन चरणबद्ध रूप से किया गया।
- इस अभियान के प्रथम चरण में राजकीय विद्यालय में कार्यरत् 2 हज़ार 223 अध्यापिकाओं को 14 से 16 मार्च तक प्रशिक्षण दिया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chuppi-todo-sayani-bano-campaign